

APPENDIX D

(Taken from the Preface of the महाराष्ट्र शब्दकोश, Vol. 1.)

A list of old Sanskrit Lexicons

- | | | |
|--|--|---|
| <p>१ अकारादि निघण्डु.</p> <p>२ अगस्त्यनिघण्डु.</p> <p>३ अनादिकोश.</p> <p>४ अनेकाक्षरकोश.</p> <p>५ अनेकार्थ.</p> <p>६ अनेकार्थकोश—हेमचन्द्र.</p> <p>७ अनेकार्थतिलक, नानार्थरत्नतिलक—महिप.</p> <p>८ अनेकार्थदीपिका — Ref. मलिनाथ, (किरातार्जुनीय 11-59).</p> <p>९ अनेकार्थधनिमङ्गली—गदसिंह and महाक्षपणक.</p> <p>१० अनेकार्थनाममाला.</p> <p>११ अनेकार्थशेष—हेमचन्द्र.</p> <p>१२ अनेकार्थसंग्रह—हेमचन्द्र (टीका—अनेकार्थकैरवाकरकौमुदी—महेन्द्रसूरि).</p> <p>१३ अनेकार्थसंग्रह—अर्बाचीन.</p> <p>१४ अनेकार्थसमुच्चय—शाश्वत.</p> <p>१५ अभिधानचिन्तामणि अथवा आभिधानचिन्तामणिनाममाला—हेमचन्द्र (टीका—अवचूरी, नामसारोद्धार, व्युत्पत्तिरत्नाकर— देवसागरगणि, महेन्द्रसूरि, वादिश्रीवल्लभ, नाम्नाम् सारोद्धार—वल्लभगणि, अभिधानचिन्तामणौ शेषसंग्रह, शेषनाममाला, शेषसंग्रहसारोद्धार, बृहदभिधानचिन्तामणि).</p> <p>१६ अभिधानतत्त्व अथवा नामालिङ्गानुशासन—जटाधर.</p> <p>१७ अभिधानमङ्गली.</p> <p>१८ अभिधानमाला — Ref. रायमुकुट तथा भट्टोजी.</p> <p>१९ अभिधानरत्नमाला—हलायुध (टीका—आजड).</p> <p>२० अमरकोश अथवा नामालिङ्गानुशासन अथवा त्रिकाण्ड—अमरसिंह.</p> <p>२१ अमरदत्त(कोशकार)—Ref. हलायुध, मेदिनीकर, रायमुकुट, भानुजी.</p> | <p>२२ अमरमङ्गल—Ref. महेश्वर, केशव.</p> <p>२३ अमरमाला—Ref. क्षीरस्वामी, वर्धमान, रायमुकुट, भरतसेन, भानुजी.</p> <p>२४ अमरशेष—Ref. देवण्ण (सूति-चन्द्रिका), त्रिकाण्डशेष—पुरुषोत्तम.</p> <p>२५ अर्धनारीश्वर (कोशकार) —Ref. चारित्रवर्धन (रघुवंश).</p> <p>२६ असालतिप्रकाश—
got compiled by the king Asalati of Kashmir.</p> <p>२७ उप्र (कोशकार), टीका on हेमचन्द्र.</p> <p>२८ उत्पलमाला अथवा उत्पलिनी—उत्पल—Ref. पुरुषोत्तमदेव (हारावली), मेदिनीकोश, मलिनाथ, रायमुकुट, शिवराम (वासवदत्ता), भानुजी.</p> <p>२९ एकवर्णार्थसंग्रह—भरतसेन.</p> <p>३० एकाक्षरकोश—पुरुषोत्तमदेव, महाक्षपणक, महीधर, वररुचि.</p> <p>३१ एकाक्षरनाममाला (अमरकृत ?) —अमरकान्त, वररुचि, सुधाकलश, हिरण्यनाभ, विश्वशंभु.</p> <p>३२ एकाक्षरनाममालिका—विश्वशंभु.</p> <p>३३ एकाक्षरनिघण्डु—इरुगप दण्डाधिनाथ, वररुचि, शान्तवीर, देशिकेन्द्र, सदाचार्य.</p> <p>३४ एकाक्षरमाला.</p> <p>३५ एकाक्षरनिघण्डुमाला — Ref. हेमाद्रि (रघुवंश).</p> <p>३६ एकाक्षरमाधवनिघण्डु.</p> <p>३७ एकाक्षरमात्रकाकोश.</p> <p>३८ एकाक्षरमालिका—अमरसिंह (?), विश्वशंभुनि.</p> <p>३९ एकाक्षररत्नमाला.</p> <p>४० एकाक्षराभिधान—(वररुचिकृत).</p> <p>४१ एकाक्षराभिधानमाला—Ref. पद्मनाभदत्त.</p> <p>४२ एकाक्षरीकोश—माधव.</p> | <p>४३ एकार्थनाममाला तथा द्वार्थनाममाला—सौभाग्य.</p> <p>४४ ऐन्द्रनिघण्डु—वररुचि.</p> <p>४५ औणादिकपदाण्ड—पेहभट्ट.</p> <p>४६ कल्पद्रु (नाममाला)—केशव.</p> <p>४७ कविजनशेवाधि—आदिनाथ कवि.</p> <p>४८ कविजिविन—धर्मराज.</p> <p>४९ कविदीपिकानिघण्डु — विक्रमादित्यराज.</p> <p>५० कविसेवादिनिघण्डु.</p> <p>५१ काल्य—Ref. क्षीरस्वामी, हेमचन्द्र, केशव, महेश्वर, रायमुकुट, भानुजी.</p> <p>५२ काल्य (कोशकार)—Ref. मङ्ग.</p> <p>५३ कोशकल्पतरु—विश्वनाथ.</p> <p>५४ कोशसंग्रह—राधाकृष्ण.</p> <p>५५ कोशसार—Ref. शिवराम (वासवदत्ता).</p> <p>५६ क्रियानिघण्डु—भट्टमल्ल.</p> <p>५७ गणनिघण्डु.</p> <p>५८ गणमङ्गली—निर्हक कविवल्लभ.</p> <p>५९ गाथाकोशबही.</p> <p>६० गीर्वाणभाषा भूषण—त्रिविक्रमाचार्य.</p> <p>६१ गोवर्धनकोश—Ref. मेदिनीकर.</p> <p>६२ चन्द्रकोश—Ref. भट्टोजी.</p> <p>६३ चन्द्रनन्दन (कोशकार)—Ref. क्षीरस्वामी (अमरकोश).</p> <p>६४ जैमिनीनिघण्डु.</p> <p>६५ तारपाल (कोशकार)—Ref. मेदिनीकर, रायमुकुट, भानुजी.</p> <p>६६ त्रिकाण्डशेष अथवा अमरशेष—पुरुषोत्तमदेव—Ref. मेदिनीकर, रघुवंशदत्त, मलिनाथ, शिवदत्त etc.</p> <p>६७ त्रिलोककोश—कचणाविलहणकवि.</p> <p>६८ त्रिलिङ्गनिर्णयोदाहरण or रत्नकोश.</p> <p>६९ त्रिविक्रम (कोशकार)—Ref. हेमाद्रि, दिनकर ('रघुवंश').</p> |
|--|--|---|